plots by the D.D.A. has been prepared by them only to help the RSS people, those who are the MISA detenus and so on. That is why you find that there is discrimination done against the poorer class people. Only certain classes get the benefit.

SHRI SIKANDAR BAKHT: I could not catch him. I am not able to hear what he says.

SHRI K. LAKKAPPA: I will read out the charges. Please see what is given out in the statement. I know how you have been manipulating and especially how your Ministry is doing things, in collusion with the DDA in Delhi and around Delhi. They are making plots to these people as against the common people. This is how the DDA is operating, Sir. I would like to know, what is the policy you are following in respect of giving sites to those people who are in need of allotment of DDA plots in Delhi and around Delhi?

SHRI SIKANDAR BAKHT: Earlier, what I said was that I could not catch him. I could not hear him. Mr. Speaker, Sir, I would like to have your ruling whether this flows from the original question or not. (*Interruptions*) I would like to know from you, Sir, whether this question flows from the original question or not.

MR. SPEAKER: I don't think this arises from the main question.

SHRI K. LAKKAPPA: This question says, 'Allotment of plots by DDA'. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Order please. It does not flow from the main question. We pass on to the next question.

Rajasthan Canal

+

*213. SHRI S. S. SOMANI:
SHRI FAQUIR ALI ANSARI:

Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) what are the details regarding the progress so far made in the construction of the Rajasthan Canal;

(b) the outcome of the efforts made to obtain further funds for the Canal from the World Bank and other international agencies; and

(c) by when the construction work on the Canal is likely to be completed?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) to (c). A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) The Stage-I of the Rajasthan Canal Project, comprising 204 Km. long feeder Canal, 189 Km. long Main Canal and 3000 Km. long distribution system, have almost been completed. The Stage-II of the project, comprising 256 Km. long main canal in continuation of Stage-I and about 3500 Km. long distribution System, have also been started. The details regarding the progress on the project till 15th of May, 1978 is as under:—

Sl. No.	Item of work	Unit	Estimated quantity	Work done to end of 15-6-78
1	2	3	4	5
	STAGE-I.			
1	Rajasthan Feeder (203 Km. long)			Completed by June
2	Rajasthan Main Canal (189 Km. ong).			Completed by June 1975

1	2	3	4	5
3	*Disty System*			
	Km. 0-74			
	Earthwork	Th. Cum	37,785	37,478
	Lining	Km.	1,850	1,392·5
	Km 74-189			
	Earthwork	Th. Cum	8,626	8,557
	Lining	Km	715·66	711·09
	Pugal Branch System			
	Pugal Main Branch			
	Earthwork	Th. Cum	6,416	Completed
	Lining	Km	66	65·09
	Distv. System of Pugal Branch			
	Earthwork	Th. Cum	11,113	8,528 (March & May)
	Lining	Km	280·81	195·49 (March & May)
	Loonkaransar-Bikaner Lift Channel (152 Km.)		Completed by December, 1976	
	Disty. System of Lift Canal			
	Earthwork	Th. Cum	2,450	2,188
	Lining	Km	158·36	157·78
	Lined Water Courses	Km	1,021·50	765·35
	STAGE-II			
4	Rajasthan Main Canal			
	Earthwork	Th. Cum	63,721	15,759
	Lining	Km	256	44·12
5	Water Supply Channel			
	Earthwork	Th.Cum	15,292	13,617
6	Disty. System			
	Earthwork	Th. Cum	75,000	8,962
	Lining	Km	3,500	16·83

(b) No funds have so far been obtained from the World Bank and other international agencies for the Rajasthan Canal Project. As per the joint communique issued at the end of the Shehanshah of Iran's visit to India in February, 1978, His Imperial Majesty offered to make available additional crude oil supplies annually at OPEC prices on credit terms or lump-sum payment as may be suitable or financing, amongst others, the Stage-II of the Rajasthan Canal Project. The details regarding this have yet to be discussed and finalised with the Government of Iran.

A separate project called the Command Area Development Project has also been framed by the Rajasthan Government for efficient utilisation of land and water that will be delivered by the Rajasthan Canal Project. For a part of the Command Area Development Project for Stage I, a credit of $83 million has been granted by the International Development Association. Efforts are also in hand to obtain funds rom the World Bank or other international agencies for the remaining part of the Command Area Development Project for Stage-I and also for the Command Area Development Project for Stage-II.

(c) The Rajasthan Canal project is likely to be completed by 1983-84.

श्री एस० एस० सोमानी : राजस्थान कैनाल दुनिया की सब से बड़ी सिंचाई परियोजना है । इस पर जिस तरीके से काम किया जा रहा है, वह बहुत विचारणीय है । स्टेटमेंट में बताया गया है कि फ़र्स्ट स्टेज का काम आलमोस्ट कम्प्लीटिड है । हम बार-बार पूछते हैं कि फ़र्स्ट स्टेज का काम कब तक खत्म हो जायेगा और हमेशा यही जवाब दिया जाता है कि "आलमोस्ट कम्प्लीटिड" । मैं यह जानना चाहता हूं कि फ़र्स्ट स्टेज में अभी तक कितना काम बाकी है । उत्तर में यह भी कहा गया है कि 256 किलोमीटर की सैकंड स्टेज और 3500 किलोमीटर के डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के काम को शुरू कर दिया गया है । मैं यह जानना चाहता हूं कि इस में कितने कितने किलोमीटर काम अभी तक हुआ है और कितना काम चालू है ।

श्री भानु प्रताप सिंह : यह सब स्टेटमेंट में दिया हुआ है । आप इजाजत दें तो मैं पढ़ दूं :

Rajasthan Feeder Canal (203 Km. long) completed by June, 1964. Rajasthan Main Canal (189 Km. long) completed by June, 1975.

Distribution system: Km. 0—74	Unit	Estimated quantity	Work done of 15.5.78
Earthwork	Th. Cum.	37,785	37,478
Lining	Km.	1,850	1,392.5

Sir, it is a long statement. I think the information has already been given in the Statement.

श्री एस० एस० सोमानी : आप बताइए सैकंड फ़ेज में कितना बना दिया ।

श्री भानु प्रताप सिंह : सेकेंड फेज में अर्थ-वर्क 63721 हजार क्यूबिक मीटर में से 15759 हजार क्यूबिक मीटर हुआ है । लाईनिंग का काम कि० मी० 256 में से 44 कि० मी० हुआ है । वाटर सप्लाई चैनेल अर्थ वर्क 15292 हजार क्यूबिक मीटर में से 13617 हजार क्यूबिक मीटर हुआ है । डिस्ट्रीब्यूटरी सिस्टम में अर्थ वर्क 75 हजार क्यूबिक मीटर में से 8962 हजार क्यूबिक मीटर हुआ है और लाईनिंग 3500 कि० मी० में से 16 कि० मी० हुआ है ।

श्री एस० एस० सोमानी : मेरा दूसरा प्रश्न था कि विश्व बैंक तथा अन्य अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों से इस नहर के लिए अधिक धनराशि प्राप्त करने के लिए किए गए प्रयत्नों का क्या परिणाम निकला ? आप ने जो जवाब दिया है वह यह कि वर्ल्ड बैंक और अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों से अभी तक कोई पैसा नहीं मिला है, लेकिन इस के लिए क्या प्रयत्न हुए यह बिलकुल नहीं बताया है । तो क्या आप किन्हीं अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों से या वर्ल्ड बैंक से इस सिलसिले बात कर रहे हैं और शाहंशाह ईरान की 200 करोड़ रुपये की मदद आने की अखबारों मे बहुत पब्लिसिटी हुई । इस को काफी अरसा हो गया । उस में क्या प्रोग्रेस हुई, वह काइंड में दे रहे हैं या कैश में दे रहें हैं या दे भी रहे हैं या नहीं दे रहे हैं, ऐसा कुछ भी आप के ब्यान में नहीं है मैं जानना चाहता हूं कि इस प्रोजेक्ट को जल्दी से जल्दी पूरा करने के लिए आप किन किन अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों से बात कर रहे हैं और वर्ल्ड बैंक से जो आप की बात हुई है उस में क्या प्रोग्रेस हुई है ?

श्री भानु प्रताप सिंह : श्रीमन्, यह भी बयान में मौजूद है । यह कहा गया था कि शाहंशाह ईरान जब यहां आए थे तो उन से इस के बारे में कुछ बातचीत हुई थी और उसूल के तौर पर यह मान लिया गया था । कि वह क्रूड आयल इस के लिए इस देश को देंगे । परन्तु

उस के डीटेल्स अभी वर्क आउट नहीं हुए हैं। मगर यह धनराशि मिलने की आशा है। वास्तव में धन की कमी से यह योजना रुकने वाली नहीं है। काम चल रहा है और सेकेंड स्टेज का काम शुरू भी हो गया है जैसा कि बताया जा चुका है। धनाभाव के कारण यह काम नहीं रुकने वाला है।

श्री भानु कुमार शास्त्री : यह तो मंत्री महोदय जानते हैं कि राजस्थान कैनाल के बनने के बाद राजस्थान की जो यह मूलभूत समस्या है प्रति वर्ष वहां अकाल पड़ने की उस से राहत हो जायगी, वहां अकाल नहीं पड़ेगा और भारत सरकार जो करोड़ों रुपया वहां खर्च करती है वह नहीं करना पड़ेगा। मैं पूछना चाहता हूं कि जो सैकड़ों मील लम्बी नहर है सैकेंड फेज की उसे माइलेज या किलोमीटर में न बता कर क्यूबिक फुट में क्यों बताना चाहते हैं? उन्होंने बताया है कि 15 हजार क्यूबिक फुट बन गया, 21 हजार क्यूबिक फुट बनना था। मैं यह जानना चाहूंगा कि मूलभूत योजना किलने पैसों की थी और अब कितने की है और भारत सरकार अब इस पंच वर्षीय योजना में राजस्थान को कितना पैसा देने वाली है?

श्री भानु प्रताप सिंह : श्रीमन्, स्टेज I, 184 करोड़ और स्टेज II, 216 करोड़ की योजना है। इस में से मार्च 1977 तक 168 करोड़ खर्च हो चुका है दोनों स्टेज मिला कर। मार्च 1978 तक 198 करोड़ खर्च हो जायगा और जो मैंने बयान दिया है....

श्री भानु कुमार शास्त्री : मार्च 1978 तो चला गया।

श्री भानु प्रताप सिंह : तो ठीक है, इतना खर्च हो गया।

मैं कह चुका कि धनाभाव के कारण यह काम नहीं पिछड़ा है। वास्तव में जहां सिंचाई की सुविधा दी भी जा चुकी है वहां अभी कालोनाइजेशन का काम नहीं हुआ। किसान वहां रुक नहीं रहे हैं। असली समस्या राजस्थान की यह है कि जो सुविधाएं स्टेज I में दी जा चुकी हैं उन का भी प्रयोग वहां अभी 60 प्रतिशत भी नहीं हुआ है। तो मुख्य समस्या तो यह है।

श्री कंवर लाल गुप्त : मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि फर्स्ट फेज और सेकेन्ड फेज कब कंप्लीट होंगे और उसका टार्गेट क्या था तथा वह कब कंप्लीट होगा? इसके अलावा पहले फेज से कितने लोगों को लाभ होगा, कितनों को हुआ है और दूसरे फेज से कितने लोगों को लाभ होना है?

इस के अलावा मैं जानना चाहता हूं क्या आप इसमें न्यूक्लियर एनर्जी का प्रयोग कर सकते हैं जिससे इसका काम जल्दी पूरा हो सके जिस तरह से रूस में साइबेरिया से उजबिकिस्तान नहर लाने के लिए न्यूक्लियर एनर्जी का प्रयोग हो रहा है?

श्री भानु प्रताप सिंह : यह दोनों फेज 1982–84 तक समाप्त हो जाने की सम्भावना है। पहला फेज तो लगभग समाप्त हो ही गया है और दूसरा फेज 83–84 तक समाप्त हो जायेगा।

SHRI KANWAR LAL GUPTA: My question was: what was the target and when was it completed?

SHRI BHANU PRATAP SINGH: Full potential of the first stage will be created by March, 1980 and the second stage is likely to be completed by 1983-84.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: I can speak in English or Hindi or any other language that the hon. Minister understands. My question was what the target for the completion of the first phase and the second phase was and when was that completed. How many people will be benefited by the first phase and the second phase and will you utilise nuciear energy for digging out the canal like Russia?

श्री भानु प्रताप सिंह : अभी आपका यह सुझाव है, इस पर विचार होगा। अभी तक इस देश में इस प्रकार का काम नहीं हुआ है कि न्युक्लियर एनर्जी से काम को बढ़ाया जाये।

श्री समर गुह : यह तो प्राइम मिनिस्टर ही बता सकते हैं।

श्री भानु प्रताप सिंह : मैं तो यह बतला सकता हूं कि कितना पानी उपलब्ध होगा।

MR. SPEAKER: What was the target for Stage-I?

श्री भानु प्रताप सिंह : इसके लिए तो नोटिस चाहिए। इस समय मैं यह बतला सकता हूं कि यह कंप्लीट कब होगा।

MR. SPEAKER: He does not have the information.

राष्ट्रीय आवास नीति

*214. **डा० रामजी सिंह**: क्या निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रिहायशी मकान बनाने के लिए योजना बनाई है और यदि हां, तो उसकी रूपरेखा क्या है;

(ख) देश में कितने लोगों के पास मकान नहीं हैं और कितने लोग स्वच्छ परिस्थितियों से नीचे के स्तर पर रहते हैं;

(ग) क्या सरकार का विचार एक राष्ट्रीय आवास नीति बनाने का है जिसमें (एक) उन्हें सरकारी आवास नहीं दिया जायेगा जिनके पास अपना मकान